पाठ - 18

डरना कभी न जाना

नोट श्रुतिलेख एवं शब्द-ज्ञान पाठ्य पुस्तक से देखकर पढ़ना है।

I सोचें और बोलें :-

I (i) 'डरना कभी न जाना' कविता के कवि का नाम बताएँ।

उत्तर- 'डरना कभी न जाना' कविता के कवि श्री प्रसाद जी हैं।

प्र(ii) कौन अपना सिर ऊँचा रख सकता है?

उत्तर- साहसी और वीर व्यक्ति अपना सिर ऊंचा रख सकता है।

प्र(iii) आँधी और तूफ़ान किन्हें कहा गया है?

उत्तर- जीवन में आने वाली मुसीबतें और परेशानियों को आँधी और तूफ़ान कहा गया है।

II लघु उत्तर लिखें :-

(i) हमें आगे कैसे बढ़ना चाहिए?

तर- हमारे जीवन में आने वाली मुसीबतों का डटकर सामना करते हुए हमें आगे बढ़ना चाहिए।

(ii) सूरज और चाँद क्या करते हैं?

उत्तर- दिन में सूरज राह बताता है और चाँद रात में अपनी चाँदनी बिखराता है।

(iii) हमें कौन मजबूर नहीं कर सकता और क्यों?

उत्तर- हमें मंजिल तक पहुँचने के लिए लंबी राह मजबूर नहीं कर सकता।

—x—

4. सही शब्दों से कविता की पंक्तियाँ पूरी करें –

(i) काँटे आते, उन्हें हटाते, तुरंत बनाते राह।

रोड़े काँटे

(ii) दिन में राह बताता सूरज, फिर जब आती रात।

सूरज चाँद

(iii) मंज़िल पर ही रुकना हमको, हो कितनी भी दूर।

लंबी राह मंज़िल

भाषा-मंथन (Language Literacy)

1. सही स्थान पर (ँ) अथवा (ँ) का प्रयोग करें–

चाँद	आँधी	चँद्रमा	मंज़िल
तुरंत	घमंड	मुँह	कहाँ
दाँत	जंगल	सुगंध	माँ

2. वर्ग-पहेली में से दो-दो समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखें–

(i) काँय शूल कंटक

(ii) सूर्य रवि दिनकर

(iii) अभिमान गर्व घमंड

(iv) राह मार्ग डगर

(v) चाँद राकेश शशि

श	शू	दि	रा	के	श
शि	ल	न	मा	घ	कं
ग	र्व	क	र्ग	मं	ट
ड	ग	र	वि	ड	क

वर्णों का संसार (Orthography)

- वर्ण-विच्छेद करें–

(*i*)	आँधी	=	आँ + ... + ध + ई
(*ii*)	काँटा	=	क् + आँ + ट + आ
(*iii*)	चाँद	=	च् + आँ + द् + अ

कुछ करने के लिए

दिए गए वाक्यों में उचित क्रिया शब्दों का प्रयोग करें

➢ **संकेतों की सहायता से बताएँ, कौन क्या करता है?**

(*i*) बिजली चमकती है।

(*ii*) बादल गरजता है।

(*iii*) हवा सरसराती है।

(*iv*) फसलें लहराती हैं।

(*v*) तारे टिमटिमाते हैं।

(*vi*) झंडा फहरता है।

(*vii*) जल बहता है।

(*viii*) लकड़ी जलती है।

(*ix*) बूँद टपकता है।

(*x*) कली खिलती है।

टिमटिमाना	जलना	खिलना	चमकना	लहराना
टपकना	गरजना	फहराना	बहना	सरसराना

सुलेख (Calligraphy)

मुसीबतों से कभी न डरो।